

24/3/23 पत्रावली पेशा हुई। पिताजी/आपिकारी/सककार में
होने में कारण पत्रावली आई। तारीख 24/3/23 की पत्रावली

27/03/23 पत्रावली पेशा हुई। वादी वकील अनु.। वादी स्वयं अनु.।
न्यायालय समय में वादी वकील एवं वादी को रुठ रुठ
जुर लीन वार आवाज लगाई गई न तो वादी उप.
हुका न वादी वकील। अतः पत्रावली अदम फेरवी /
अदम हाजरी में बकारिय की जाती है। पत्रावली फैसल
शुमार होकर कारिल दफतर हो। समय से रुफ हो।

